आज का पुरुषार्थ by Suraj Bhai

Date: 6 March 2022 **Website**: www.shivbabas.org

धारणा - *आज अपने सम्पूर्ण फ़रिश्ते स्वरुप को अपनाने का पुरुषार्थ करे*

यदि हम फ़रिश्ते स्वरुप की स्थिति में आ जाते है तो हमारा जीवन संसार के लिए वरदान बन जाता है। और फ़रिश्ते स्वरुप में रहने वालों के सिर पर स्वयं बाबा **छत्रछाया** बनकर रहते है।

उनके जीवन में यदि कोई विघ्न आता है तो बापदादा स्वयं उनकी सुरक्षा करने लगते है। बहुत सुन्दर बात है भगवान हमारी केयर करे। वो हमारा ध्यान रखे।

तो आईये हम फ़रिश्ते बनने की ओर आगे बढ़े। हम अपने **सम्पूर्ण** फ़रिश्ते स्वरुप का आह्वान करे। और हमें अपना यह फरिश्ता स्वरुप बहुत ही स्पष्ट अनुभव में आना चाहिए।

बहुत क्लियर विजुयालाइजेशन होनी चाहिए। विजुयालाइजेशन का स्वरुप है ....

" मैं आत्मा .. चमकती हुई ज्योति .. प्रकाश की देह में विराजमान हूँ .. मुझसे चारों ओर प्रकाश की किरणें फैल रही है "

इसतरह मैं हो गया डाबल लाइट।

दूसरा डाबल लाइट का अवस्था ...

" आत्मा ज्योति स्वरुप .. और मन भी पूरी तरह लाइट "

तो जब आत्मा सम्पूर्ण पवित्र बन जाती है, जब वह बिल्कुल लाइट हो जाती है, मन बिल्कुल हल्का, कोई बोझ नहीं, बेफ़िक्र बादशाह, निश्चिंत जीवन, एक वल एक भरोसा में जीने वाले ...

तब हमारा यह फरिश्ता स्वरुप प्रत्यक्ष होता है। फरिश्ता अर्थात जो निरंतर **योगयुक्त** हो। जिसके चित्त में सभी के लिए **कल्याण** की भावना, **शुभ** भावनायें भरी हुई हो, जो ईर्ष्या द्वेष घृणा नफरत तेरे मेरे सबसे परे हो गये हो, जो बिल्कुल **आत्मिक स्थिति** में स्थित हो गये हो।

इसलिए चाहे बहिन फरिश्ता बने, चाहे भाई फरिश्ता बने, दोनो के लिए एक ही बात प्रयुक्त है ... " **फरिश्ता** "

इसका अर्थ है जो नर और नारी के भान से ऊपर उठ गये वो फरिश्ता है। जिनके पैर इस धरती को नहीं टच करते है वे फ़रिश्ते है।

अर्थात जो इस संसार के आकर्षण से ऊपर उठ चुके है, जिन्हें इस संसार का कोई भी प्रलोभन अपनी ओर खींचता नहीं है वे फ़रिश्ते है।

तो आईये हम इस **वरदानी स्वरुप** को धारण करके इस संसार का कल्याण करे। क्योंकि इसी स्वरुप के द्वारा हमें सारे संसार को संदेश भी देना है। और श्रेष्ठ वायब्रेशन्स भी देना है।

क्योंकि बहुत सारे धर्म ऐसे है जो केवल फ़रिश्तों में ही विश्वास रखते है। उनमें भावनायें रखते है। वे भगवान आदि को नहीं जानते। न उसका उन्हें कोई ज्ञान है। वो केवल **फ़रिश्तों** के ही मान्यता रखते है।

तो हम अपने **फ़रिश्ते स्वरुप** के द्वारा भविष्य में इन सभी आत्माओं को ईश्वरीय संदेश देंगे। मुक्ति का संदेश देंगे। घर जाने का संदेश देंगे।

तो आईये हम बहुत तत्परता से इस स्वरुप का अभ्यास करे। देखा करे अपना यह स्वरुप ....

अपने सामने थोड़ी दूरी पर खड़ा हुआ अपना सम्पूर्ण फरिश्ता स्वरुप ...

हम उसका आह्वान करे ....

" आ जाओ .. हे मेरे सम्पूर्ण स्वरुप .. आ जाओ .. तुम्हारी बहुत जरूरत है "

और हम चले ... अपने इस महान स्वरुप की स्थिति में। निरंतर आगे बढ़ते चले। लेकिन हम अपनी भावनाओं को भी चेक करते चले।

तो आज सारा दिन बहुत अच्छी तरह फ़रिश्ते स्वरुप का अभ्यास करना है। हर घन्टे में एकबार अपने इस तेजस्वी स्वरुप को देखना है। और ग्लोब के ऊपर खड़े होकर सारे संसार को, सम्पूर्ण प्रकृति को पवित्रता के और शक्तियों के वायब्रेशन्स देने है।

तो सारा दिन बार-बार अभ्यास करेंगे ...

" मैं पवित्रता का फरिश्ता हूँ .. मैं मास्टर सर्वशक्तिमान फरिश्ता हूँ .. ग्लोब के ऊपर हूँ .. मुझसे चारों ओर पवित्र वायब्रेशन्स फैल रहे है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org